	Rainfall (mm) June 2016							ADVISORY
Date MAY	20	21	22	23	24	25	26	
PUNJAB								फंजाब में कपास की फसल आरंभिक अवस्था में है। खेतों में कपास पर सफेद मक्खी का नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए । खेतों को खरपतवार मुक्त रखें । कपास में औसतन सफेद मक्खी (व्यस्क मक्खी/3 पत्तें) निम्नलिखित है – फरीदकोट के बिरह सीखनवाला (9.6 और 17.2) कालेर और दौड (7.0). चाहल (3.0) और खारा में (2.20). मुक्तसर के बुरा गुजर में (5.9). उडीक्करान में (22.5). कोटली में (29.2) और फाजिलका के गोबिन्दगढ में (16.3) । बारिश न होने की अवस्था में किसान कपास की बीजाई होने के एक महीने बाद फसल को सींचे क्योंकि तेज तापमान से पौधे जलने लगते है। सिंचाई उपरान्त यूरिया की आधी खुराक (65 किलोग्राम बीटी संकर और 30–35 किलोग्राम कपास के लिए) का उपयोग करें । हरियाणा के अधिकतर क्षेत्रों में कपास अभी एक से दो माह की अवस्था में है । किसानों को सलाह दी जाती है कि वह साप्ताहिक स्तर हानिकारक कीटों का नियमित रूप से खेतों पर निरीक्षण करे तथा रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग स्थगित करें । जरूरी हो तो, नीम्बीसिडिन 300 पीपीएम 1 लीटर प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में डाल कर छिड़काव करें । सिंचाई जरूरी हो तो ही करें । सिरसा में कपास अभी 35 से 40 दिन की वानस्पतिक अवस्था में है । कई स्थानों में, किसान खेतों में यूरिया का उपयोग कर चुके हैं । पहली सिंचाई के बाद कई खेतों में खरपतवार देखी गई है । यह खरपतवार खेतों के आसपास मेढों पर देखी गई है । सफेद मक्खी की संख्या 0 से 15 प्रति 3 पत्ती पाई गई है । मुसाहिबवाला केवल एक स्थान है जहॉं पर सफेद मक्खी की उच्च संख्या 15/3 पत्ते पाई गई है जोकि 75 दिन की कपास थी । कपास में जड़ गलन रोग कुछ ही स्थानों पर पाया गया । किसानों को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से खेतों में कीटों की वृद्धि का निरीक्षण करें । सिट्रस उद्यानों से लगे कपास के खेतों में सख्त निरीक्षण की आवश्यकता है । कीटों की आर्थिक सीमा अवस्था (ग्ज्स) पर खेतों में नीम आधरित कीटनाशकों का ही उपयोग करें । खेतों और खेतों के आसपास को खरपतवार मुक्त रखें । किसानों को सख्त सुझाव है कि वो अधिक यूरिया व नाइट्रोजन का प्रयोग न करें ।
Bathinda	3	1	0	0	0	0	0	
Ferozepur	0	2	0	0	0	0	0	
Muktsar	0	1	0	0	0	0	0	
Mansa	1	1	0	0	0	0	0	
HARYANA								
Sirsa	1	0	0	0	0	0	0	
Hisar	0	0	0	0	0	0	0	
Fatehabad	1	0	0	0	0	0	0	
RAJASTHAN								
Hanumangarh	1	0	2	3	2	0	0	
Sri Ganganagar	0	0	2	3	2	0	0	
Banswara	1	4	7	8	2	0	0	
ORISSA								
Koraput	2	3	15	6	15	8	13	जैसे कि मानसून सक्रिय है किसानों को कपास की बीजाई करने की सलाह दी जाती है । कपास का बीज, वनस्पतिनाशक तथा खाद को इकट्ठा कर लें । ग्ल्ड 5 जदी का प्रयोग भूमि की तैयारी के साथ करे । मिट्टी की रिपोर्ट पर आधारित ही खाद का उपयोग करें । कपास की संकर जाति के लिए 120:60:60: किलों छच्कीं और प्रजाति के लिए 90:45:45 किलो छच्कीं बीजाई के समय दी जाने वाली खुराक की मात्रा: पुरा फासफोरस , 50: पोटाश, 25 : नाइट्रोजन । बीटी नरमा की साधारण बीजाई में फासला 90 सेंमी.ग 60 सेंमी. और कपास की सघन खेती के लिए 60 सेंमी. ग 10 सेंमी. का अन्तर रखना चाहिए । हरित खाद के लिए कपास की बीजाई के एक दिन बाद सनहेम्प की 25 किलो बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बीजाई करें और 25 से 30 दिन बाद सम्मिलित करें । ऐजोटोबेक्टर और चै 25 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज का उपचार करें । अरहर के साथ 8:2 पंक्ति के अनुपात में अंतर्वर्तीय खेती करें । अरंडी, गेंदा और मक्का जैसी ज्तंच बतवच को खेतों के आसपास लगाए । खरपतवार प्रबंधन हेतू पेंडीमैथिलिन को बिजाई के एक दिन बाद 1 किलों प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें । फ्न्ऌ 279 तथा ै 30 जैसी च्तम.तमसमेंक प्रजातियों का उपयोग सघन खेती के लिए कर सकते हैं ।
Kalahandi	3	4	12	7	16	12	14	
Bolangir	0	3	4	6	13	11	15	

GUJARAT								
Amreli	0	1	17	0	0	5	0	बीजाई के लिए प्रारंभिक प्रबन्ध करें । बारानी कपास में पानी संरक्षण उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता है । बारानी क्षेत्रों में संरक्षक सिंचाई का प्रबंधन आवश्यक है । बारानी क्षेत्रों में कपास के किसान नमी संरक्षण हेतू सभी जरूरी एहतियात जैसे की मेढ बनाना तथा घासपात से ढ़कना इत्यादि अपनाएं ।
Bhavnagar	0	0	0	0	0	0	0	
Jamnagar	2	1	0	0	0	0	0	
Rajkot	3	3	0	0	0	0	0	
Bharuch	0	0	3	0	0	3	0	
Sabarkantha	0	0	0	0	0	0	0	
Surendranagar	2	5	0	0	0	0	0	
Ahmedabad	0	1	3	3	3	3	0	
Vadodara	0	1	21	3	18	0	0	
Patan	0	0	0	0	0	0	0	
Mehsana	1	3	0	0	0	0	0	
MP								
Khargone	2	0	1	5	6	1	2	अगले हफ्ते बारिश का अनुमान है । 25 जून से पहले बीजाई हेतू सभी जरूरी प्रबंध कर लें । खांडवा में नरमें की बीजाई चल रही है ।
Dhar	1	0	8	0	0	0	6	
Khandwa	2	1	0	6	4	1	2	
MAHARASHTRA								
Nagpur	11	7	2	4	5	5	3	पिछले साल की कपास के ठूठ तथा अन्य अवशेषों को हाथ से साफ करें । कपास फसल का शेष जैसे कि छट्टीयों में कीटों की कुछ अवस्थाएं तथा कपास की बीमारी के जीवाणु तथा फफूँद छुपे होते हैं । स्वच्छ खेती स्वस्थ कपास के लिए आवश्यक है । ग्लड अथवा कम्पोस्ट को 2–3 टन प्रति हेक्टेयर व वर्मीकम्पोस्ट को 2.5 टन प्रति हेक्टेयर की दर से 10–15 दिन पहले ही उपयोग करें । तीन–चार साल में ऐसा करने से मिट्टी में उपजता बनी रहती है । खाद का उपयोग खेत को 20–25 सेंमी गहराई तक जोतने के बाद करें । ऐसा करने से खाद मिट्टी में समावेश हो जाती है और 5 सेंमी बड़े ढेले भी टूट जाते है पहली बारिश के बाद प्री–इमरजेन्स वनस्पतिनाशक जैसे कि पेन्डीमैथिलिन को 3.5 लीटर प्रति हेक्टेयर (1.0 किलो ए आई प्रति हेक्टेयर) की दर से मिट्टी की सतह पर छिड़काव करें । माकर (ठींत) से 2–3 बार जोते ताकि मिटटी ढीली हो जाए । रोटावेटर से मिट्टी को अच्छे से जोते । बीजाई से पहले पट्टे से 0.6–1.0 : तक मिट्टी को समतल करें । खेत में 150–180 सेंमी चौड़ाई की बैड तथा बीच में 30 सेंमी चौड़ी व 15 सेंमी गहरी खाली तैयार करें । ट्रेक्टर या हल की मदद स गहरी मिट्टी में चौड़ी स्थायी मेड़ बनाए । दत्तारी की मदद से प्रजाति व संकर जाति के नियमानुसार अन्तराल रखें । लाईनों में नाईट्रोजन और फोसफोरस को मध्यम मात्रा में डालें । नीम लेपित यूरिया (50 किलो) और 6 बोरी सुपर फोसफेट प्रति हेक्टेयर की दर से दत्तारी वाली लाईनों पर ड्रिल करें । कपास के बीजों को जैविक खादों जैसे ऐजोटोबैक्टर 25 ग्राम प्रति किलो फोसफोरस सोलूबलाईजिंग बैक्टिरिया 25 ग्राम प्रति किलो और ट्राईकोडरमा 8 ग्राम प्रति किलो की दर से उपचार करें और उपचार उपरान्त 15–30 मीनट तक छांव में बीज को सुखाएं । उपचारित बीज को 24 घंटों के अन्दर बीज दें ।
Dhule	5	10	9	0	0	3	19	
Jalgaon	7	7	14	9	0	3	10	
Jalna	5	1	8	4	0	9	7	
Aurangabad	6	3	15	3	0	9	10	

TELANGANA								
Adilabad	5	2	8	8	12	10	6	इस सप्ताह बारिश की संम्भावना जताई गई है । जून के अन्त तक बीजाई जरूर कर दें । बारिश सभी क्षेत्रों में सामान्य रहेगी । लघु अवधि में परिपक्व प्रजातियों व बीटी संकर जातियों को ही इस मौसम में वरीयता दें ।
Warangal	0	7	8	12	12	10	6	
Khammam	1	5	20	14	15	10	6	
Karimnagar	0	4	10	12	10	6	4	
Nalgonda	0	6	15	8	15	10	6	
AP								
Guntur	1	11	15	10	8	15	5	कपास बीजाई जारी है और अंकुरण चरण पर है । किसानों द्वारा कपास की बीजाई के लिए बीज और ईनपुट की खरीद जारी है । परकाशम जिले में कपास वानस्पतिक से टिण्डे खिलने की चरण पर है । जल्दी बीजी हुई कपास में गुलाबी सुण्डी नहीं देखी गई ।
Prakasam	0	1	10	12	10	12	10	
KARNATAKA								
Dharwad	9	2	10	13	14	24	25	हावेरी, घाड़बाड़, बेलगांव जिलों में 50–60 प्रतिशत बीजाई पूरी हो चूकी है । और बाकि जिलों में बीजाई जारी है । फसल अवधि 10–15 दिनों की अंकुरण चरण पर है । कपास की इन्टरास्पेसिफिक जातियों को 90 सें.मी.ग 60 सें.मी. तथा इन्टरस्पेसिफिक बीटी संकर जातियों को 120 ग 60 सें.मी. के अन्तर पर बीजना चाहिए । चना, मटर व सेम की एक लाईन को अंतरवर्तीय तौर पर बीटी कपास के साथ बीजने की सलाह दी जाती है । एक लाईन सनहेम्प की भी बीजे और 25 दिन उपरान्त सम्मिलित करें । अधिकतर कपास की खेती वाले क्षेत्रों में वर्षा हो चुकी है । पेन्डीमैथिलिन 37.5 एस सी को 0.8 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें ताकि 20 से 30 दिन खरपतवार को रोका जाए ।
Haveri	25	2	12	10	13	25	34	
Mysore	4	2	10	16	16	14	12	
TAMILNADU								
Perambalur	2	1	3	10	1	1	0	कपास का मौसम अभी आरम्भ होने को है । जुताई की आरंम्भिक तैयारियाँ निष्पादित की जा रही है ।
Salem	5	0	4	1	1	1	0	
Trichy	0	4	5	8	2	1	0	
virudhunagar	0	4	0	0	1	0	0	